XLRI in News
July 2018

PUBLICATION: Careers 360
DATE: July 2018
PAGE: 10

AWARENESS TOWARDS societal issues discussed

AICTE Chairman interacts with students of XLRI Jamshedpur

An interactive session was held with the All India Council for Technical Education (AICTE) Chairman Prof. Anil Sahasrabudhe at XLRI Jamshedpur, where the topic 'The Future of Management Education in India' was discussed. "Education should be a manifestation of excellence and an academic curriculum alone is not enough. There should be enough of co-curricular activity in academic institutes to provide holistic development of students. Students should have a social outlook and be sensitised to the problems and demands of the society," said Sahasrabudhe. He also stressed on the opportunities prevailing in the unorganised sector.

PUBLICATION: Dainik Bhaskar,DB Star
DATE: 22 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एक्सएलआरआई जमशेदपुर की ओर से एवरेस्ट बेस कैंप लीडरशिप अभियान का आयोजन

17 हजार 600 फीट की ऊंचाई पर चढ़ने पर ली तस्वीर

भावी प्रबंधकों ने एवरेस्ट बेस कैंप की चढ़ाई के जरिए लीडरशिप के तरीके जाने, 17600 फीट ऊंचाई तक चढ़े

सिटी रिपोर्टर • जमशेदपुर

एक्सएलआरआई जमशेदपुर के एडवेंचर एंड नेचर क्लब की ओर से एवरेस्ट बेस कैंप लीडरशिप अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें एक्सएलआरआई समेत देश भर के बिजनेस स्कूल के प्रतिभागियों ने भाग लिया। एवरेस्ट बेस कैंप की चढ़ाई के जरिए लीडरशिप के गुर सीखने के इस अभिनव पहल में विद्यार्थियों ने मुश्किल हालात में आगे बढ़ने के गुर जाने। एवरेस्ट बेस कैंप ट्रैक के इस अभियान में एक्सएलआरआई जमशेदपुर समेत आईआईएम अहमदाबाद, बंगलुरू, कोलकाता, रांची, एमडीआई गुडगांव, नीटि, नरसी मंजी इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, एसपी जैन, जेवियर इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (एक्सआईएम), फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज और आईएमटी संस्थानों के 100 से ज्यादा ट्रेकरों ने भाग लिया। 15 दिन के इस अभियान में भावी प्रबंधकों ने 17 हजार 600 फीट की ऊंचाई पर चढ़ाई की। एवरेस्ट बेस के बीच में नामचे बाजार (11280 फीट), डिंगोबोचे (14300 फीट), लौबुचे (16207 फीट), एवरेस्ट बेस कैंप (17600 फीट) आया। इस अभियान का नेतृत्व करने वाले संस्थान के एसोसिएट डीन (एकेडमिक) आशीष पाणी ने बताया कि यह अभियान काफी सफल रहा और सारे ट्रैकर्स बेस कैंप तक पहुंचने में सफल रहे। इस अभियान में शामिल अर्नव सिंह ने बताया कि यह ट्रैकिंग आई ओपनर रहा। अब वे कॉन्फिडेंट है कि दुनिया में कहीं भी ट्रैकिंग कर सकते हैं। आईआईएम रांची की वैशाली ने बताया कि यह ट्रैकिंग काफी रोमांच भरा रहा।

एवरेस्ट बेस कैंप लीडरशिप अभियान में शामिल एक्सएलआरआई जमशेदपुर के छात्र।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 4 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

एक्सएलआरआई प्रबंधन ने पुराने ठेकेदार को बदला

जमशेदपुर| एक्सएलआरआई प्रबंधन ने हाउस कीपिंग और साफ सफाई के काम के लिए ठेका मजदूरों की सप्लाई करने वाले एके गार्डेन ठेकेदार को बदल दिया है। संस्थान ने एक जुलाई से दिल्ली की एक ठेका कंपनी को इस काम में लगा दिया है। गुस्साये ठेका कर्मियों ने मंगलवार को प्रदर्शन किया।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 5 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

एक्सएलआरआई के सफाईकर्मियों का धरना खत्म; 30 दिनों का वेतन, पीएफ मिलेगा

रघुनाथ पांडे और एक्सएलआरआई प्रबंधन में हुई वार्ता में बनी सहमति, ठेकेदार बदले जाने के बाद धरने पर बैठ गए थे सफाई कर्मचारी

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

एक्सएलआरआई जमशेदपुर में साफ-सफाई और हाउस कीपिंग का काम करने वाले ठेका मजदूरों का आंदोलन बुधवार की दोपहर का समाप्त हो गया। एक्सएलआरआई प्रबंधन और मजदूर नेता रघुनाथ पांडे के बीच हुई वार्ता में सहमति के बाद सभी 86 कर्मचारी काम पर लौट आए। ये ठेका कर्मी ठेकेदार बदले जाने के बाद मंगलवार से गेट पर धरना दे रहे थे।

रघुनाथ पांडे ने बताया कि सफाई कर्मियों को पहले से मिल रही सुविधाएं जारी रखने का प्रबंधन ने फैसला लिया है। कर्मचारियों की मांग थी कि नए ठेकेदार के आने के बाद उन्हें माह में 30 दिन की जगह 26 दिन की ही मजदूरी देने की बात कही गई है। उनकी मांग थी कि सारे कर्मियों को पहले की तरह 30 दिन की मजदूरी के साथ सरकारी सेवा के अनुरूप छुट्टियां मिले। पांडे ने बताया कि ठेकेदार को रखने या हटाने का अधिकार प्रबंधन का है। इसमें सफाई कर्मियों का कोई हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। उनकी सारी मांगों को प्रबंधन ने मानने का फैसला किया है, बशर्ते वे वैसा कोई काम नहीं करें, जो अनुशासनहीनता के दायरे में आता है। उल्लेखनीय है कि प्रबंधन ने एके गार्डेन ठेकेदार की जगह दिल्ली की एक ठेका कंपनी को एक जुलाई से ठेका दे दिया है। 86 कर्मियों में 22 महिलाएं हैं।

ये थी मांगें

- माह में 26 की जगह 30 दिन का वेतन मिले
- पहले की तरह छुट्टी मिले और उसमें कोई कटौती नहीं हो
- सारे कर्मियों को पीएफ और पेंशन मिलता रहे
- किसी भी सफाई कर्मी को काम से निकाला नहीं जाएगा।

एक्सएलआरआई के गेट के सामने धरने पर बैठे सफाई कर्मचारी।

PUBLICATION: Dainik Jagran,City
DATE: 4 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

आक्रोश | संस्थान पर गलत ढंग से गेट पास बनाकर काम करने का दबाव बनाने का लगाया आरोप

सफाईकर्मी अब आर-पार की लड़ाई के मूड में

संवाद सूत्र, जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ के खिलाफ धरना दे रहे सफाई कर्मचारी इस बार आरपार की लड़ाई लड़ने के मूड में हैं। उनका आरोप है कि एक्सएलआरआइ प्रबंधन द्वारा कामगारों को तरह-तरह की धमकी दी जा रही है तो जबरन कृष्णा फांउडेशन के अधीन काम करने का दबाव बनाया जा रहा है।

प्रबंधन पर आरोप है कि कामगारों के कागजात का दुरूपयोग किया जा रहा है। कामगारों से बगैर अनुमति व जानकारी के कृष्णा फांउडेशन कंपनी द्वारा कामगारों के नाम पर गेट पास निर्गत कर जबरन काम कराने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं, कृष्णा फाउंडेशन द्वारा सिर्फ 26 दिन का वेतन भुगतान करने की बात कही जा रही है। उधर संस्थान का कहना है कि कर्मचारियों द्वारा उपश्रमायुक्त को दी गई जानकारी के अनुसार वे एक्सएलआरआइ के कर्मचारी हैं, जो सरासर गलत है। उपश्रमायुक्त ने कर्मचारियों को सलाह दी कि वे नए ठेकेदार के साथ काम करें।

मैं पिछले 20 वर्षों से एक्सएलआरआइ में सफाई कर्मी के रूप में काम कर रहा हूं। अचानक किसी बाहरी ठेकेदार से काम कराने की बात आ गई। इससे हमलोगों की मजदूरी छिन जाएगी।

सुराइ मांझी, कामगार

बाहरी ठेकेदार के अधीन काम करने पर संस्थान द्वारा हमलोगों पर दबाव बनाया जा रहा है। ठेकेदार के अधीन काम करने से इन्कार करने पर एक्सएलआरआइ के प्रबंधक तरह-तरह की धमकी दे रहे हैं।

रवींद्रनाथ दास, कामगार

बाहरी ठेकेदार के अधीन काम करने पर केवल 26 दिन का वेतन दिए जाने की बात कही जा रही है। इसके अलावा किसी प्रकार की सुविधा नहीं दी जाएगी। ऐसे में कोई भी मजदूर क्यों काम करेगा।

पवन खलखो, कामगार

एक्सएलआरआइ और कृष्णा फांउडेशन के प्रबंधक व सुरक्षाकर्मी हमलोगों को डरा-धमका कर काम कराने की कोशिश कर रहे हैं। बगैर सहमति के कामगारों का गेटपास बनाया जा रहा है।

शांति देवी, कामगार

संस्थान द्वारा मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है, जिसके खिलाफ अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे हैं। प्रशासन को हम मजदूरों के हित में काम करना चाहिए। अन्यथा हमलोगों की रोजी-रोटी छिन जाएगी।

श्रीमति लोहार, कामगार

गलत ढंग से गेटपास बनाकर काम कराने का दबाव बनाया जा रहा है। वहीं, केवल 26 दिन का वेतन देने की बात कही जा रही। वर्षों से एक्सएलआरआइ में सफाई का काम कर रहे हैं, अचानक ठेकेदार को काम दिया जा रहा।

सारिका मुखी, कामगार

PUBLICATION: Dainik Jagran,City
DATE: 22 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

हिमालय बेस कैंप पहुंचे बी स्कूलों के विद्यार्थी

जासं., जमशेदपुर : बिजनेस स्कूलों के विद्यार्थियों के बीच नेतृत्व क्षमता के विकास के उद्देश्य से आयोजित की जानेवाली गतिविधियों के तहत हिमालय की ट्रैकिंग कराई गई। जमशेदपुर एक्सएलआरआइ के सौजन्य से एक्सएलआरआइ एडवेंचर और फन एक्सपेडिया के संयुक्त तत्वावधान में हिमालय बेस कैंप ट्रैक का आयोजन किया गया। इसमें देशभर के 14 बिजनेस स्कूलों के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं व फैकल्टी पूरे उत्साह से शामिल हुए। इस 15 दिवसीय ट्रैकिंग एक्सपेडिशन में देश के तमाम आइआइएम व अन्य बिजनेस स्कूलों के सदस्यों ने हिमालय बेस कैंप पहुंच मनोहारी दृश्य का भरपूर आनंद लिया।

हिमालय के बेस कैंप में विद्यार्थी।

PUBLICATION:Dainik Jagran,City
DATE: 24 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

एक्सएलआरआइ कांक्लेव में विचार रखेंगे दिग्गज

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के तत्वावधान में मुंबई में 10 व 11 अगस्त को आइएएससीसी लीडरशिप कांक्लेव का आयोजन किया गया है। लीडरशिप कांक्लेव शोध व प्रैक्टिस के बीच में संवाद के लिए प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराता है। साथ ही सामयिक रूचि को ध्यान में रखकर भविष्य के लिए शोध क्षेत्र तैयार करता है।

आइएएससीसी के संस्थापक प्रो. अनिल कुमार सूद ने बताया कि लीडरशिप कॉन्क्लेव का लक्ष्य अनुसंधान और अभ्यास के बीच बातचीत के लिए एक मंच बनाना है।

यह कांक्लेव साझा परिप्रेक्ष्य बनाने पर केंद्रित होगा और क्षेत्र में भविष्य के शोध के लिए एजेंडा की रूपरेखा तैयार करेगा। हम अपने उद्देश्य को साझा करने वाले संगठनों और व्यवसायों की एक पर्यावरण प्रणाली बनाने में निवेश करने की योजना बना रहे हैं। कॉन्क्लेव अंतर्निहित कारणों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा जो अल्पकालिक और दीर्घकालिक विकास क्षमता को सीमित कर रहे हैं। एक्सएलआरआइ के वेणुगोपाल ने बताया कि कांक्लेव का उद्देश्य विकास-केंद्रित सूचना-आयु अर्थव्यवस्था में रणनीति की पसंद पर एक साझा परिप्रेक्ष्य बनाना है। आधुनिक युग में बाजार की स्थिति पर भी कांक्लेव में चर्चा होगी। बाजार पर सूचना तंत्र का प्रभाव व ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं के स्वभाव में हो रहे परिवर्तन पर भी चर्चा होगी।

एजेंडा तय

- सामयिक रूचि को ध्यान में रखकर भविष्य के लिए तैयार होगा शोध क्षेत्र
- विकास केंद्रित अर्थव्यवस्था पर विचार रखेंगे देश भर के दिग्गज

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 3 July, 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

अच्छी पहल | बेसिक कंप्यूटर लर्निंग प्रोग्राम का किया गया आयोजन, एडीएलएस के 40 छात्र इसमें ले रहे भाग

एक्सएलआरआइ के सिग्मा ने छात्रों को दी कंप्यूटर शिक्षा

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एक्सएलआरआइ के छात्रों के समूह सिग्मा की ओर से एडीएल हाईस्कूल के छात्रों के लिए बेसिक कंप्यूटर लर्निंग प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। सिग्मा यानि सोशल इनीशिएटिव ग्रुप ऑफ मैनेजेरियल असिस्टेंस ने अपने सामाजिक सरोकारों को निभाते हुए बच्चों में कंप्यूटर का बेसिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से यह पहल की है। एडीएल हाईस्कूल के करीब 40 छात्र इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

इस बेसिक कंप्यूटर लर्निंग प्रोग्राम के तहत छात्र-छात्राओं को थ्योरी व प्रैक्टिकल लेक्चर के अलावा कंप्यूटर हार्डवेयर, एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, बेसिक इंटरनेट यूसेज के अलावा अन्य संबंधित प्रशिक्षण दिए जाएंगे। ज्ञात हो कि एक्सएलआरआइ के प्रो. मधुकर शुक्ला के नेतृत्व में सिग्मा की ओर से समाज के निचले स्तर को ऊंचा उठाने से संबंधित कई तरह के कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

एक्सएलआरआइ के छात्रों के साथ बेसिक कंप्यूटर लर्निंग प्रोग्राम में भाग लेने वाले छात्र ● जागरण

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 4 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 1

एक्सएलआरआइ के खिलाफ उबले सफाईकर्मी

संवाद सूत्र, जमशेदपुर : वर्षों से एक्सएलआरआइ (जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट) में साफ-सफाई का काम करने वाले कामगारों ने संस्थान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। प्रबंधन के रवैये के खिलाफ 86 कामगार संस्थान के गेट के समीप अनिश्चितकालीन धरना पर बैठ गए हैं। उनकी मांग है कि पूर्व की भांति उन्हें महीने के 30 दिन का वेतन दिया जाए। इसके साथ ही ड्रेस, साप्ताहिक छुट्टी, पीएफ, मेडिकल समेत तमाम सुविधाएं मुहैया कराई जाए। कामगारों ने अपनी मांग पूरा नहीं होने तक धरना देने का निर्णय लिया है।

कामगारों की मानें तो पूर्व में 130 लोग एक्सएलआरआइ में साफ-सफाई का काम कर रहे थे, लेकिन प्रबंधन द्वारा अचानक 44 लोगों को काम से हटा दिया गया। इसके बाद से 86 कामगार 286.17 रूपये मजदूरी दर पर कार्यरत हैं। ये कामगार पिछले 15-20 वर्षों से एक्सएलआरआइ में साफ-सफाई का काम करते आ रहे हैं। इसी बीच अचानक संस्थान ने कुछ दिन पहले दिल्ली के कृष्णा फांउडेशन कंपनी से साफ-सफाई का काम कराने का फैसला ले लिया। इससे उनकी रोजी-रोटी छिन जाने की नौबत आ गई है।

एक्सएलआरआइ गेट पर प्रदर्शन करते सफाई कर्मचारी • जागरण

संबंधित खबरें >> जागरण सिटी पेज-02

एक्सएलआरआइ के कर्मी नहीं सफाई कर्मचारी : प्रबंधन

एक्सएलआरआइ के खिलाफ सफाई कर्मचारियों के आंदोलन के मद्देनजर प्रबंधन ने अपना पक्ष रखा है। प्रबंधन का कहना है कि देश के अन्य संस्थानों की तरह एक्सएलआरआइ भी भारतीय कानूनों के तहत दायित्वों में बंधे हैं। प्रबंधन संस्थान अपने वर्तमान ठेकेदार एके गार्डेन को बदलने की प्रक्रिया में है, जो हाउसकीपिंग के लिए कर्मचारियों की आपूर्ति करता है। यह ठेकेदार को बदलने की नियमित प्रक्रिया है। हालांकि एके गार्डेन द्वारा नियोजित सभी 86 अनुबंध मजदूरों के हितों को ध्यान में रखते हुए नये ठेकेदार से पुराने कर्मचारियों को काम पर रखने के लिए कहा गया है।

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 5 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

बैकफुट पर एक्सएलआरआइ, हड़ताल खत्म

रघुनाथ पांडेय के हस्तक्षेप के बाद समाप्त हुआ संस्थान के सफाई कर्मियों का आंदोलन

संसू, जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ (जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट) के सफाईकर्मियों का आंदोलन दूसरे दिन समाप्त हो गया। हड़ताल पर गए सफाईकर्मी काम पर लौट आए। रघुनाथ पांडेय के हस्तक्षेप के बाद मामले में समझौता कर लिया गया। बुधवार को दोपहर करीब 12 बजे जुस्को श्रमिक यूनियन के अध्यक्ष रघुनाथ पांडेय वार्ता करने के लिए आए, तब जाकर मामला सुलझा। थोड़ी देर बाद प्रबंधन ने पांडेय की मौजूदगी में ना केवल सफाई कर्मियों से बात की, बल्कि लिखित समझौता भी किया। तय हुआ कि मजदूरों की सुविधा-वेतन में पूर्ववत मिलती रहेगी। मंगलवार से आंदोलन कर रहे सफाईकर्मी समझौता होने के बाद बुधवार को दोपहर बाद काम पर लौट गए।

ज्ञात हो कि एक्सएलआरआइ के सभी 68 सफाईकर्मी अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे थे। कर्मियों की मांग थी कि पूर्व की भांति पूरे माह के तीस दिन का वेतन उन्हें भुगतान किया जाए। वहीं सभी कंपनियों की तर्ज पर पीएफ, ड्रेस, मेडिकल, साप्ताहिक छुट्टी आदि सुविधाएं दी जाएं। एक्सएलआरआइ कर्मियों की हड़ताल की सूचना पर बुधवार को जुस्को श्रमिक यूनियन के अध्यक्ष रघुनाथ पांडेय पहुंचे व कर्मियों के धरना-प्रदर्शन का समर्थन किया। इसके बाद कंपनी प्रबंधन सफाई कर्मियों के साथ वार्ता करने पर सहमत हुआ। एक्सएलआरआइ प्रबंधन व कर्मियों के बीच करीब तीन घंटे तक हुई वार्ता में कर्मियों के सभी मांगों को पूरा करने पर सहमति बनी। वहीं, प्रबंधन की ओर से कहा गया कि संस्थान ने नियमित प्रक्रिया के तहत केवल ठेका कंपनी बदला है। इससे कामगारों को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होगा। पूर्व की भांति ही सभी कर्मियों को तमाम सुविधा दी जाएगी। उधर, जुस्को श्रमिक यूनियन के अध्यक्ष रघुनाथ पांडेय ने कहा कि प्रबंधन किसी को भी काम दे, मजदूरों को नुकसान नहीं होना चाहिए।

समझौते से पूर्व एक्सएलआरआइ के गेट के समक्ष धरना देते सफाईकर्मी • जागरण

PUBLICATION: Hindustan Times,Education
DATE: 11 July 2018
EDITION: New Delhi
PAGE: 3

Amazon announces case study challenge

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

As part of its vision to encourage innovation and identify the business leaders of tomorrow, Amazon Development Centre recently announced the Amazon Customer Excellence (ACE) Challenge, an inter-collegiate case study competition open to teams from top business schools in Asia.

ACE challenges B-School students to innovate, strategize and recommend solutions to a diverse set of complex work challenges.

OVER 6,000 TEAMS REGISTERED FOR THE ACE CHALLENGE IN 2017

Currently in its eighth year, the ACE Challenge has become one of the top B-School competitions in India.

Registrations for ACE 2018 opened on 6 July.

Last year over 6000 teams registered from 26+ B-Schools across Asia. Of these, the best 10 teams were shortlisted for the final Innovation Challenge last year.

In Ace 2017, teams from XLRI, Jamshedpur and ISB were named winners at the end of the Finale being awarded the winning title of ACE 2017, pre-placement interviews, cash prizes, Kindles and other goodies along with bragging rights.

Commenting on the ACE competition Priti R, Director Intl Talent Acquisition, Amazon said, "In our eighth edition of ACE Challenge, we envisage it to be one of the biggest seasons till date for Amazon on B-schools. We aim to attract the brightest minds by challenging B-School students to innovate, strategize and sample a diverse set of complex challenges that are core to innovative technology and e-commerce players including Amazon. ACE is also driven by strong digital and traditional media partnerships with students across campuses through engaging initiatives such as quizzes, contests, tweet chats etc."

The Amazon Customer Excellence (ACE) Challenge 2018 will be conducted in two stages.

From time crunched problem-solving and live case simulations in the first phase to an exciting face-off between teams in the finale, the competition will allow B-School students to strategize, brainstorm and evaluate various case studies given to them.

Kindle, Fire tablets, Fire TV, Amazon Echo, and Alexa are some of the products and services offered by Amazon.

To learn more about ACE, visit: https://amazonacechallenge.com

PUBLICATION: Hindustan Times
DATE: 25 July 2018
EDITION: Mumbai
PAGE: 16

Leadership conclave in the city by XLRI

XLRI-Xavier School of Management, Jamshedpur is collaborating with the Institute for Advanced Studies in Complex Choices to host the 'IASCC Leadership Conclave - Choices in a Growth-Constrained, Information-Age Economy', on the evolution of digital technology and role of leadership. It will be held on August 10-11 at the JW Marriott in Juhu. Visit www.xlri.ac.in to register.

PUBLICATION:Hindustan
DATE: 2 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE:2

एक्सलर्स विद्यार्थियों को देंगे कंप्यूटर की जानकारी

एडीएल सोसाइटी के विद्यार्थियों को सिग्मा टीम के सदस्यों ने दी कंप्यूटर कोर्स की जानकारी।

जमशेदपुर (सं.)। एक्सएलआरआई की सिग्मा टीम ने रविवार को बेसिक कंप्यूटर लर्निंग प्रोग्राम की शुरुआत की। सिग्मा टीम के सदस्यों ने एडीएल सोसाइटी हाईस्कूल के आठवीं के 40 विद्यार्थियों को बेसिक कंप्यूटर कोर्स की जानकारी दी।

आनेवाले 10 सप्ताह तक इन विद्यार्थियों को थ्योरी और प्रैक्टिकल के तौर पर कंप्यूटर की जानकारी दी जाएगी।

PUBLICATION:Hindustan
DATE: 4 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एक्सएलआरआई गेट जाम कर दिया धरना

जमशेदपुर (सं.)। एक्सएलआरआई में संविदा पर काम करने वाले 86 मजदूरों ने प्रबंधन का विरोध शुरू कर दिया है। मजदूरों ने मंगलवार को एक्सएलआरआई के मुख्य गेट पर धरना दिया। मजदूरों ने बिना सूचना एजेंसी बदलने और उसकी शर्त पर काम करने से इनकार करते हुए नारेबाजी की, वहीं मंगलवार को कामकाज ठप रखा। विरोध की सूचना एक्सएलआरआई प्रबंधन ने पुलिस को दी। बिष्टूपुर पुलिस ने मजदूरों को मुख्य गेट से हटाकर एक किनारे किया। बाद में मजदूर सड़क किनारे ही प्रदर्शन करने लगे।

PUBLICATION:Hindustan
DATE: 5 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

हड़ताली मजदूर काम पर लौटे

जमशेदपुर (सं.) । एक्सएलआरआई में कार्यरत मजदूरों का हड़ताल बुधवार शाम खत्म हो गया। हड़ताली मजदूरों एवं एक्सएलआरआई प्रबंधन के बीच वार्ता हुई। इसमें सफाई कर्मियों की ओर से मजदूर नेता रघुनाथ पांडे ने सफाई कर्मियों का पक्ष प्रबंधन के समक्ष रखा। इसके बाद सभी सफाई कर्मी दिल्ली की सफाई एजेंसी के अंदर काम करने पर राजी हुए। गुरुवार से सभी सफाई कर्मी काम पर लौटेंगे और पूर्व की भांति काम करेंगे। उक्त जानकारी एक्सएलआरआई के प्रवक्ता सुनील वर्गिस ने दी।

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 22 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एक्सलर्स चढ़े हिमालयन बेस कैंप तक

जमशेदपुर (सं.)। देशभर के बिजनेस स्कूलों के विद्यार्थियों का संयुक्त कार्यक्रम एक्सलैंक के तहत हिमालयन बेस कैंप तक चढ़ाई सफलता पूर्वक पूरी हो गई है। एक्सएलआरआई के विद्यार्थियों ने देश के अन्य बी स्कूल जैसे आईआईएम अहमदाबाद, आईआईएम बॉम्बे, एमडीआई के साथ अभियान में भाग लिया है। एक्सएलआरआई की टीम का नेतृत्व डीएन एकेडमिक्स डॉ. एके पाणि कर रहे हैं। जून के पहले सप्ताह से 14 बैच में एक सौ से अधिक विद्यार्थियो ने हिमालयन बेस कैंप तक की चढ़ाई में सफलता पाई है। 16,700 फीट की ऊंचाई तक पहुंचने में सफलता पाकर टीम के सभी सदस्य काफी रोमांचित हैं।

PUBLICATION:Hindustan
DATE: 24 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

लीडरशिप कान्क्लेव 10 और 11 अगस्त को

जमशेदपुर (सं.) । एक्सएलआरआई और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज इन कॉम्पलेक्स च्वाइसेज के संयुक्त तत्वावधान में 10-11 अगस्त को मुंबई में आईएएससीसी लीडरशिप कान्क्लेव आयोजित होगा। इस दौरान रिसर्च और कार्यस्थल के बीच की समस्या, आर्थिक गति को बढ़ाने समेत कई बिंदुओं पर चर्चा होगी।

PUBLICATION: Inext
DATE: 4 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

सफाईकर्मियों ने जमकर किया प्रदर्शन

JAMSHEDPUR (03 July, JNN) : वर्षों से जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (एक्सएलआरआइ) में साफ-सफाई का काम करने वाले कामगारों ने संस्थान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. प्रबंधन के रवैये के खिलाफ 86 कामगार संस्थान के गेट के समीप अनिश्चितकालीन धरना पर बैठ गए हैं. उनकी मांग है कि पूर्व की भांति उन्हें महीने के 30 दिन का वेतन दिया जाए. इसके साथ ही ड्रेस, साप्ताहिक छुट्टी, पीएफ, मेडिकल समेत तमाम सुविधाएं मुहैया कराई जाए. कामगारों ने अपनी मांग पूरा नहीं होने तक धरना देने का निर्णय लिया है.

कामगारों की मानें तो पूर्व में 130 लोग एक्सएलआरआइ में साफ-सफाई का काम कर रहे थे, लेकिन प्रबंधन द्वारा अचानक 44 लोगों को काम से हटा दिया गया. इसके बाद से 86 कामगार 286.17 रूपये मजदूरी दर पर कार्यरत हैं. ये कामगार पिछले 15-20 वर्षों से एक्सएलआरआइ में साफ-सफाई का काम करते आ रहे हैं. इसी बीच अचानक संस्थान ने कुछ दिन पहले दिल्ली के कृष्णा फांउडेशन कंपनी से साफ-सफाई का काम कराने का फैसला ले लिया. इससे उनकी रोजी-रोटी छिन जाने की नौबत आ गई है. आरोप है कि एक्सएलआरआइ प्रबंधन द्वारा कामगारों को तरह-तरह की धमकी दी जा रही है तो जबरन कृष्णा फांउडेशन के अधीन काम करने का दबाव बनाया जा रहा है. प्रबंधन पर आरोप है कि कामगारों के कागजात का दुरूपयोग किया जा रहा है. कामगारों से बगैर अनुमति व जानकारी के कृष्णा फांउडेशन कंपनी द्वारा कामगारों के नाम पर गेट पास निर्गत कर काम कराने का प्रयास किया जा रहा है. वहीं, 26 दिन का मानदेय देने की बात कही जा रही है.

PUBLICATION: Inext
DATE: 5 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

मजदूरों की टूटी स्ट्राइक

एक्सएलआरआइ में कार्यरत सफाई कर्मियों की हड़ताल बुधवार की शाम खत्म हो गई. हड़ताली मजदूरों व एक्सएलआरआइ प्रबंधन के बीच हुई वार्ता में सफाईकर्मियों की ओर से मजदूर नेता रघुनाथ पाण्डे ने प्रबंधन के समक्ष बात रखी. बातचीत के बाद सभी सफाई कर्मी दिल्ली की सफाई एजेंसी के अधीन कम करने के लिए तैयार हुए. सफाईकर्मियों ने पूर्व की तरह ही तीस दिन का वेतन देने की मांग की, जिसे मान लिया गया है. यह जानकारी एक्सएलआरआइ के प्रवक्ता सुनील वर्गीस ने दी. मालूम हो कि पूर्व में सभी सफाई कर्मियों को तीस दिन काम का वेतन मिलता था, लेकिन नयी एजेंसी ने छब्बीस दिन का ही वेतन देने की घोषणा की थी, जिसे लेकर मजदूर हड़ताल पर चले गए थे. गुरुवार से सभी सफाई कर्मी काम पर लौटेंगे और पूर्व की भांति काम करेंगे.

PUBLICATION:Inext
DATE: 24 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE:2

10 से आइएएससीसी लीडरशिप कांक्लेव

JAMSHEDPUR (23 July, JNN) : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के तत्वावधान में मुंबई में 10 व 11 अगस्त को आइएएससीसी लीडरशिप कांक्लेव का आयोजन किया गया है. लीडरशिप कांक्लेव शोध व प्रैक्टिस के बीच में संवाद के लिए प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराता है. साथ ही सामयिक रूचि को ध्यान में रखकर भविष्य के लिए शोध क्षेत्र तैयार करता है. आइएएससीसी के संस्थापक प्रो. अनिल कुमार सूद ने बताया कि लीडरशिप कॉन्क्लेव का लक्ष्य अनुसंधान और अभ्यास के बीच बातचीत के लिए एक मंच बनाना है. यह कांक्लेव साझा परिप्रेक्ष्य बनाने पर केंद्रित होगा और क्षेत्र में भविष्य के शोध के लिए एजेंडा की रूपरेखा तैयार करेगा. हम अपने उद्देश्य को साझा करने वाले संगठनों और व्यवसायों की एक पर्यावरण प्रणाली बनाने में निवेश करने की योजना बना रहे हैं. कॉन्क्लेव अंतर्निहित कारणों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा जो अल्पकालिक और दीर्घकालिक विकास क्षमता को सीमित कर रहे हैं. एक्सएलआरआइ के वेणुगोपाल ने बताया कि कांक्लेव का उद्देश्य विकास-केंद्रित सूचना-आयु अर्थव्यवस्था में रणनीति की पसंद पर एक साझा परिप्रेक्ष्य बनाना है.

जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के तत्वावधान में हो रहा आयोजन

Where have all the jobs gone?

In this concluding series on jobs, *BusinessLine* finds that while small units have been hit all over the country, there have been job creators as well in a rapidly changing economy. **Tina Edwin** reports

Nailing the problem Old industries are wilting away and new enterprises coming up in their wake

Beyond the hustle and bustle at the periphery, Chennai's Guindy Industrial Estate wears a deserted look. A 50-year-old woman selling *kanji* (porridge) and snacks inside the area says that her clientele has dropped to a third over the last five years. "I had thought of using my earnings to help my grandson enrol for engineering, but that does not seem possible," she says.

Job losses in small units seem to have shaken Tamil Nadu's small and medium units. Says CK Mohan, General Secretary, Tanstia (Tamil Nadu Small and Tiny Industries Association): "GST hit small players real bad. The procedures to follow are the same as that for a large corporate, which has the wherewithal to hire CAs." His point is underscored by KV Kanakambaram, President of the Industrial Estate Manufacturers Association in Guindy and the National Confederation of Small Industry. "We have shrunk in size and scale in the past five years," he says. His office in Guindy's RV Towers has many distaught visitors. "I have been fighting with bank officers for years now to keep my units going," says MV Madhu Sudhana, who runs Cosy Industries, a small unit in the Guindy Industrial Estate.

Jobs lost

Entrepreneurs say that a cocktail of GST, demonetisation and stringent bank norms has hurt jobs in MSMEs. Says Madhu Sudhana: "Earlier, a field officer would visit factories that have failed to pay back their loans and assess the situation. But now in the automated system, even if there is a delay of one day or a week in payment, the loan becomes an NPA and the unit is paralysed and eventually will be folded up. We don't need machines or computers to judge us, but humans," he says.

"Even the State government's own estimates show that close to 50,000 micro, small and medium enterprises (MSMEs) have shut shop in Tamil Nadu last year alone," Kanakambaram tells *BusinessLine*.

The impact of the shocks of the last two years is visible even in the Capital. In Mayapuri, an industrial area in west Delhi, that has over 1,000 units and provides employment to an estimated five lakh people, one finds only a rare notice on the factory gate seeking workers. "Walk-in hirings have declined," says Neeraj Sehgal, who runs a unit that makes bullet-proof doors that are in much demand with politicians. Sehgal is also the general secretary of Mayapuri Industrial Welfare Association as well as Joint Secretary of the Delhi unit of Laghu Udyog Bharati.

Labour supply

It is another matter that this situation co-exists with one of a quixotic shortage of certain types of workers, such as welders, helpers and fitters — a point made by both Sehgal and M Reddy, President, Peenya Industries Association, Bengaluru.

The flatted factories of Okhla, about 25 km apart from Mayapuri, produce a specific part or a component for a larger product or machinery such as public-address systems and submersible pumps. The skills required for those operations are basic — something that can be learnt almost in a day. Finding workers for the shop-floor is not difficult, but employment level in those units has stagnated. Getting people such as accountants, computer operators and office assistants is not so easy, says Charanjeet Singh, CEO of Inter-Tech, a unit that makes electrical products. "Those who join leave with a year — mostly because we cannot provide an ambience that they would want to work in," adds Singh.

Mohan Gurnani, Chairman, Chamber of Associations of Maharashtra Industry and Trade, explains that, faced with liquidity problems, many businesses had to scale down their operations or even shut down.

Sehgal says: "MGNREGA should have encouraged people to stay back in the rural areas but with government delaying payments, flow of labour to industrial areas has grown. That's one reason that industry does not complain of labour shortages, particularly of the unskilled workers."

Be that as it may, those who have made 'jobs' the staple of political debate and chosen to slam the Centre for job losses should note that the situation is too complex to submit itself to easy generalisations. The situation rather is one of old industries wilting away and new enterprises coming up in their wake. Their net impact on jobs is rather hard to ascertain. That's because no one in the government or private sector reliably collects employment data.

Restructured economy

KR Shyam Sundar, Professor, XLRI, Jamshedpur, says: "Anganwadi, construction and e-commerce are emerging areas. The issue is not jobs being created but the terms and conditions of work." Gurnani, however, feels that industrial jobs lost are more than those created by e-commerce.

Hence, a visible change in Delhi's industrial zones is the emergence of non-manufacturing businesses. Factories have given way to swanky showrooms for automobile companies and fancy banquet halls, particularly along major roads. Inside the industrial zones, some factories have been replaced with workshops of automobile companies. Manufacturing is gradually ceding ground to service industry in the Capital. "There are some 90 booming sectors for employment in the country," says Gayathri Vasudevan, CEO of Bengaluru-based LabourNet Services India Ltd, an organisation focused on enabling sustainable livelihood. Among them are what she describes as service technical jobs, which is different from the pure services jobs.

Such jobs include repair and refurbishment services, decorative painting, beauty services, tailoring, and are all consumption-led or due to changes in lifestyles and rising aspirations. Higher ownership of automobiles and growing mechanisation of farms are creating demand for people who can repair vehicles, machinery and equipment. Other sectors that are booming and are therefore creating jobs include food business and hospitality, rise in leisure and holiday travel.

For Bengaluru-based Munniappa, in his late 20s, who finished his graduation in Commerce, getting a job was becoming very difficult. "I did not pursue any specialisation and did not score high marks. But since I knew to ride a two-wheeler I found a job with Swiggy."

In Delhi, the introduction of e-rickshaws and their proliferation have given rise to many new entrepreneurs — an e-rickshaw costs ₹80,000-1 lakh. The running costs are low — ₹150 for charging the battery commercially is the only recurring cost. Several men have left their factory or small-time jobs to buy and drive e-rickshaw. Some have bought and given it out on rent to a driver.

Most banquet halls are busy for about 90 days — mostly the wedding seasons. People who work as cleaners and peons in factories often take work in the evenings at these banquet halls as cleaners and servers.

Infrastructure creation, proliferation of mobile phones, satellite television, air-conditioners and water filters have spawned a range of jobs. Many of these jobs would be in the informal sector as large companies tend to use small contractors for work such as installation. A lot of after-sales service is done by technicians who are part of the informal sector, instead of authorised service centres. There is no current data on the number of such informal workers. The last such estimate came from the 2011-12 survey of the NSSO and the economy has seen significant changes since then.

Amidst this uncertain working environment, a job in the formal sector remains the ultimate dream. The impact of GST on formalisation of business units has translated into larger EPFO enrolments, but a larger eco-system change will take time to set in. Hence, it does not come as a surprise that over 28 million people applied for 90,000 vacancies that the Indian Railways advertised for (in March).

Gurnani says that while a pick-up in businesses is not very visible, he is optimistic that the situation will improve in the next few months, as he expects the government to announce more measures to help growth.

With inputs from Jinoy Jose P, Venkatesh Ganesh and A Srinivas

The job creation riddle

There is no authoritative set of data for the total number of people employed in the country, which is also current. Private sector business information company CMIE, which carries out Consumer Pyramids Household Survey, estimates that only 14.3 lakh jobs were created in 2017 across different age groups

CMIE estimates — Number of jobs in India, lakhs

Age group	2016	2017	Jobs added
15-24	531.4	459.2	-72.2
15-64	3,350.1	3,468.4	118.3
>=65	153.3	121.6	-31.7
Total	4,034.8	4,049.1	14.3

This is the only estimate that is holistic and recent that we have. Official estimates based on NSSO data are to be released only in a few months

The Labour Bureau, which is part of the Ministry of Labour and Employment, has been bringing out quarterly reports on the employment situation in eight sectors of the economy. But it tracks units that employ 10 or more workers. Such units account for just 1.4% of the businesses in the country and 15% of the total employment.

Employment in the eight sectors tracked by Labour Bureau — Figs in lakhs

Sector	As of Jan 1, 2017	Additions till Oct 1, 2017
Manufacturing	102.12	1.04
Construction	3.42	-0.1
Trade	14.71	0.5
Transport	5.98	0.2
Accommodation & Restaurant	7.67	0.1
IT/ BPO	10.58	0.16
Education	50.65	1.22
Health	12.4	0.73
Total	**207.53**	**3.85**

More recently, the government started releasing Employee Provident Fund Organisation data and some have used it as a proxy for job creation. But it covers only the formal sector and that too enterprises that employ 20 or more people.

- **34.4 lakh** subscribers added between Sept 2017 & March 2018
- Of this, **22.94 lakh** subscribers were below 25 years of age

However, increase in EPFO subscribers is not an accurate indicator of an increase in number of jobs. There are multiple reasons for that but chiefly: (i) Many people change jobs and start a new EPF account but the old ones are not closed, and (ii) Many units register with EPFO only after their employee number rises to 20, so incremental jobs added by that unit may be just 1-2 at point of registering.

Compiled by **Tina Edwin**

PUBLICATION: Khabar Mantra
DATE: 4 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

एक्सएलआरआइ : ठेका मजदूरों ने छंटनी के खिलाफ किया बवाल

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। देश-विदेश में पर्सनल एवं मानव संसाधन प्रबंधन की पढाई के लिए ख्यात एक्सएलआरआई को आज अपने ही ठेका कर्मचारियों के बवाल से साबका पड़ गया। ठेका कर्मचारी आउटसोर्स एजेंसी में भेजे जाने पर 30 दिन की जगह 26 दिन का वेतन दिए जाने से नाराज थे। नाराज ठेका कर्मचारी संस्थान के गेट पर धरना पर बैठ गए हैं।

एक्सएलआरआई में पहले 146 मजदूर कार्य कर रहे थे। आउटसोर्स करने के बाद 60 मजदूरों को बैठा दिया गया। अब मात्र 86 मजदूर बचे हैं। इन मजदूरों का पीएफ कटकर माह में 7 हजार रुपया प्रबंधन देता है। इन 86 मजदूरों को प्रबंधन 30 दिन का वेतन देते आ रही है। मंगलवार को अचानक एक्सएल आरआई के एडमिनिस्ट्रेटर जेरेम कुटीना और एचआर हेड मार्टिन ने मजदूरों को बताया कि आज से उन्हें दिल्ली के संवेदक के अधीन कार्य करना है। अब वे इनका वेतन 26 दिनों का निर्गत करेंगे। यह सुनने के बाद वहां कार्यरत मजदूरों ने इसका विरोध किया और कार्य बंद कर गेट के समक्ष धरना-प्रदर्शन पर बैठ गए। मजदूरों का कहना है कि इससे पहले ठेकदार के अधीन मजदूरों को कार्य करने के लिए दबाव बनाया गया। कई मजदूरों को कार्य भी करवाया गया, लेकिन उन्हें बाद में बाहर का रास्ता दिखाया गया। मजूदरों ने कहा कि हम एक्सएलआरआई में कार्य करने के नाम पर कई तरह के लोन ले रखे हैं। अब दिल्ली के ठेकेदार के अधीन कार्य करने का मतलब है कि हमारी छंटनी। हम ऐसा नहीं चाहते हैं। मजदूरों ने एक स्वर में कहा कि यहां का एक भी मजदूर दिल्ली के ठेकेदार के अधीन कार्य नहीं करेगा।

PUBLICATION:Pioneer
DATE: 2 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

Students of XLRI to impart computer lessons to needy children

PNS ■ JAMSHEDPUR

The students of B-school XLRI have started the Basic Computer Learning Programme (BCLP) for the less privileged students. Under the banner of SIGMA – Social Initiative Group for Managerial Assistance - students run social initiative group at XLRI where 40 students of ADL Society High School are taking lessons.

"In a world where life has almost become unimaginable without technology, this program serves to provide a foundation in computers to the budding young minds. Spread over ten weeks, the program would be combination of theoretical and practical lectures, covering a wide array of topics like computer hardware, MS Word, MS Excel, basic internet usage among several other topics apt to today's context. The first module covered the evolution of computers, application of computers, computer parts and their functions. The students also got a hands-on experience by using computers and visualizing what they learnt in theory. The session was made engaging by making it interactive and adding elements of fun," said a student of XLRI.

Social Initiative Group for Managerial Assistance is student run social collaborative group at XLRI which run under the able guidance of Professor Madhukar Shukla. SIGMA focuses on transformation and change in the social sector by contributing to the community and impoverished sections of the society. This is done through a number of events across the year which are executed by a 10-member team dedicated to making positive contributions to the community

Its events include Blood and stem cell donation camps, Paper recycling and food wastage prevention drives, spreading legal literacy amongst village inhabitants across Jamshedpur, conducting Basic computer learning courses for under privileged children.

Apart from that, SIGMA also holds national and international reach as they execute research projects in association with national NGOs such as Goonj, helping Hearts and Seeds and international NGOs such as OIKOS to help impoverished communities become self-sustaining through sales enablement services and supply chain optimisation. SIGMA also ties up with corporate houses such as TATA Steel to hold case study competitions where the best minds from top tier B schools across the country come together to solve national problems such as water conservation and renewable energy.

SIGMA also works to cultivate and boorish the growing community of social entrepreneurship by providing a platform for information exchange, networking and discovery of rising figures in the field through events such as the Social Entrepreneurship Conclave and National Conclave for Social Entrepreneurship. Award winning entrepreneurs come and share their story and make it a melting pot of ideas and collaboration.

Its events include Blood and stem cell donation camps, Paper recycling and food wastage prevention drives, spreading legal literacy amongst village inhabitants across Jamshedpur, conducting Basic computer learning courses for under privileged children

PUBLICATION: Pioneer
DATE: 23 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

Budding managers take leadership lessons at Himalayas

PNS ■ JAMSHEDPUR

Students of B-school Xavier School of Management, XLRI along with other budding managers got an opportunity to learn the essential concepts of leadership in one of the most stunning yet demanding outdoor classrooms, the Himalayas.

XLRI Adventure and Nature Club (known as XLANC on campus) in association with FunExpedia, conducted Everest base camp trek for the students and faculty of B-schools nationwide.

More than 100 enthusiastic trekkers from reputed B schools such as IIM A, B, K, Ranchi, MDI, NITIE, NMIMS, SP Jain, XIMB, FMS and IMT participated in it. Prof Ashis Pani, Associate Dean Academics of XLRI Jamshedpur along with alums of IIM B and XLRI were also a part of this trek.

Everest base camp trek is a 15-day expedition which involves trekking in the Himalayas at various altitudes such as Phakding (8700ft), Namche Bazaar(11280ft), Dingboche (14300ft), Lobuche (16207ft) and reaching the Everest base camp which is at an altitude of almost 17600ft. All the trekkers reached the end point of the trek making this event a grand success

"The Everest base Camp Trek was an eye-opener. I am now confident that I can go for any other trek in the world. It is challenging but also provides you breath-taking views of the Himalayas," said Arnav Singh Bist of XLRI, Jamshedpur who was on his first trekking experience in the Himalayas.

"I am glad I came for this trek. It was physically demanding but because of group energy and motivation it made the seemingly difficult trek an enjoyable journey. The accommodations in Kathmandu and on the trail were lively and very comfortable. It was a post-grad trip with a difference and I highly recommend it to other enthusiasts?," ?noted Vaishali Gambhir from IIM Ranchi.

All B school students recognize and appreciate the essential qualities of leadership like strategic thinking, decisive action, personal integrity, etc. Yet they also realise that converting such abstract concepts into practice is often an elusive process. Indeed, few behavioural concepts defy translation into reality as much as those that involve leadership. Outdoor group activities like trekking, hiking and camping foster the necessary behavioural changes in participants to become better leaders.

The XLRI Adventure and Nature Club (XLANC) is one of the most active clubs on campus. Its vision is to help students develop leadership skills and managerial acumen through outdoor activities. It provides the students with activities like Dalma trek, Everest base camp trek, rifle shooting, horse riding, laser tag and many more. All in all, it is the club which keeps the students sane and healthy to pursue excellence in every sphere; for a healthy body houses a healthy and productive mind.

PUBLICATION:Pioneer
DATE: 24 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

XLRI to host 'IASCC Leadership Conclave' in August

PNS ■ JAMSHEDPUR

The conclave will focus on identifying the underlying causes that are limiting the short- as well as long-term growth potential

Xavier School of Management (XLRI) has collaborated with Institute for Advanced Studies in Complex Choices to host the 'IASCC Leadership Conclave - Choices in a Growth-Constrained, Information-Age Economy' on August 10-11, 2018 in Mumbai.

The leadership conclave aims to be a platform for dialogue between research and practice. It would focus on building a shared perspective on issue of current interest and outline the agenda for future research in the area.

Prof. Anil K Sood, founder IASCC, mentioned, "The Conclave is the first step in realizing our vision of advancing the science and practice of making choices for both individuals and organisations. We plan to invest in building an eco-system of organisations and professions who share our purpose."

The conclave will focus on identifying the underlying causes that are limiting the short- as well as long-term growth potential. Growth is a function of investment by individuals, organisations and the government. It is these investment choices that determine earnings and consequently the consumption and investment levels in an economy. Credit can't solve the problem of growth. It can accelerate growth for some time and is not a substitute for earnings. In the long-run, individual earnings must go up to sustain growth. IASCC will present initial findings of their research at the Conclave.

Elaborating about the Conclave, Prof. P. Venugopal, XLRI said, "The purpose of the Conclave is to build a shared perspective on choice of strategy in a Growth-Constrained Information-Age Economy and outline the agenda for future research on choice of growth strategy. XLRI has collaborated with IASCC Leadership Conclave as the Knowledge Partner."

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE: 2 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 15

सरकारी स्कूलों में कंप्यूटर की शिक्षा देंगे एक्सलर्स

- **1 जुलाई से हुई शुरुआत, पहले चरण में 40 विद्यार्थियों की शुरू हुई क्लास**

जमशेदपुर. एक्सएलआरआइ की टीम सिग्मा की ओर से एक अनोखी शुरुआत की गयी है. तय किया गया है कि एक्सएलआरआइ के सोशल इनिशिएटिव ग्रुप फॉर सोशल असिस्टेंस (सिग्मा) की ओर से बेसिक कंप्यूटर लर्निंग प्रोग्राम (बीसीएलपी) के तहत जिले के सरकारी स्कूल के बच्चों को कंप्यूटर की निःशुल्क शिक्षा दी जायेगी. रविवार से इसकी शुरुआत हुई. इसी कड़ी में पहले चरण में एडीएल सोसाइटी हाइस्कूल के 8 वीं क्लास के 40 बच्चों को एक्सएलआरआइ बुलाया गया. वहां सिग्मा से जुड़े विद्यार्थियों ने सबसे पहले विद्यार्थियों को कंप्यूटर की उपयोगिता के बारे में बताया.

इसके बाद बताया गया कि सभी विद्यार्थियों के बीच 10 सप्ताह का कोर्स होगा, जिसके जरिये बच्चों को कंप्यूटर हार्डवेयर, एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, बेसिक कंप्यूटर व इंटरनेट के इस्तेमाल के तरीके समेत कंप्यूटर से जुड़ी कई अन्य जानकारी दी जायेगी. 10 सप्ताह के बाद सभी विद्यार्थियों का टेस्ट लेने के बाद उन्हें सर्टिफिकेट भी प्रदान किया जायेगा. इनके बाद दूसरे किसी स्कूल के बच्चों को कंप्यूटर की शिक्षा दी जायेगी. टीम सिग्मा द्वारा सामाजिक कार्यों के बढ़ावे के तहत इस प्रकार के प्रयोग किये जा रहे हैं.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 4 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

दूसरी ठेका कंपनी के अधीन काम करने का कर रहे हैं विरोध

सफाई कर्मियों की हड़ताल, गेट जाम

अपनी मांगों को लेकर गेट जाम कर हड़ताल पर बैठे सफाईकर्मी.

एक्सएलआरआइ

जमशेदपुर. एक्सएलआरआइ के सफाई कर्मचारियों ने मंगलवार को सभी काम-काज छोड़ कैंपस गेट पर धरने पर बैठ गये. सफाई कर्मचारियों ने एक्सएलआरआइ प्रबंधन पर आरोप लगाया कि पूर्व में उन्हें जो सुविधा मुहैया करायी जाती थी, उसमें प्रबंधन द्वारा कटौती कर दी गयी है. इसी के विरोध स्वरूप वे काम नहीं कर रहे हैं. विरोध दर्ज करा रहे सफाई कर्मचारियों की संख्या 86 है. सूचना पर पहुंची बिष्टुपुर पुलिस ने सफाई कर्मचारियों को समझाया, जिसके बाद वे गेट के बगल में धरने पर बैठ गये.

एक्सएलआरआइ में अब तक एके गार्डेन एजेंसी द्वारा साफ-सफाई किया जाता था. लेकिन जब इंटरनेशनल कैंपस बनकर तैयार हुआ, तो विद्यार्थियों ने साफ-सफाई को बेहतर तरीके से कराने की मांग की. जिसके बाद संस्थान ने दिल्ली की कृष्णा फैसिलिटी मैनेजमेंट सर्विसेज को काम दे दिया. एक्सएलआरआइ प्रबंधन के हस्तक्षेप से तय किया गया कि इन्हीं कर्मचारियों को उक्त एजेंसी द्वारा पहले ट्रेंड किया जायेगा, ताकि वे प्रोफेशनल तरीके से काम कर सके. इसी बीच सफाई कर्मचारियों ने डीएलसी ऑफिस में संस्थान प्रबंधन के खिलाफ शिकायत की. डीएलसी ने मामले की जांच कर संस्थान प्रबंधन को आदेश दिया कि वे लेबर लॉ का पालन करें, जिसमें तय किया गया कि कर्मचारियों से महीने में 26 दिन कार्य कराया जाये. इसी नियम को देखते हुए उक्त कंपनी द्वारा 26 दिनों के कार्य के एवज में वेतन देने की बात कही गयी. पूर्व में नेशनल हॉलीडे पर मिलने वाली छुट्टी में भी कटौती का आदेश एजेंसी ने जारी किया, जिसके खिलाफ सभी कर्मचारी आंदोलित हैं.

सफाई कर्मियों के साथ है पूरी हमदर्दी : डीन एडमिनिस्ट्रेशन

डीन एडमिन फादर जेरी ने सफाई कर्मचारियों से बात की. उन्होंने कहा कि उनके साथ पूरी हमदर्दी है. किसी भी सफाई कर्मचारी को काम से नहीं निकाला जायेगा.

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE: 5 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

एक्सएलआरआइ : 30 दिन का मिलेगा वेतन, सफाईकर्मियों की हड़ताल खत्म

जमशेदपुर. एक्सएलआरआइ में कार्यरत मजदूरों की हड़ताल बुधवार शाम खत्म हो गयी. हड़ताली मजदूरों और एक्सएलआरआइ प्रबंधन के बीच वार्ता में हड़ताल खत्म करने पर सहमति बनी. गुरुवार से सभी सफाईकर्मी काम पर लौट जायेंगे. एक्सएलआरआइ के प्रवक्ता सुनील वर्गिस ने यह जानकारी दी. सफाईकर्मियों की ओर से मजदूर नेता रघुनाथ पांडे ने प्रबंधन से वार्ता की. वार्ता के बाद सफाईकर्मियों ने दिल्ली की एजेंसी के तहत काम करने पर सहमति जतायी. सफाईकर्मियों ने पूर्व की तरह 30 दिन का वेतन देने की मांग की. इसे मान लिया गया. नयी एजेंसी ने 26 दिन का वेतन देने की घोषणा की थी, इसे लेकर सभी आंदोलित थे.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 6 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 17

एक्सएलआरआइ | मेधावी विद्यार्थियों को देश की अलग-अलग कंपनियों ने की स्कॉलरशिप देने की घोषणा

दो करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप से कीजिए पढ़ाई

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

देश-दुनिया की अलग-अलग कंपनियों ने एक्सलर्स को लाखों रुपये की स्कॉलरशिप देने की घोषणा की है. इसके लिए कंपनियों व संस्थानों ने अलग-अलग पैमाने तय किये गये हैं. उक्त पैमाने पर खरा उतरने वाले विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप दिया जायेगा. इस स्कॉलरशिप में संस्थान की फीस देने से लेकर विद्यार्थियों के निजी खर्च के लिए भी आर्थिक रूप से मदद करने की घोषणा की गयी है.

आदित्य बिड़ला स्कॉलरशिप : यह स्कॉलरशिप संस्थान के फर्स्ट इयर के कुल 360 विद्यार्थियों के 25 फीसदी यानी 90 विद्यार्थी इसे पाने के योग्य होंगे. इस स्कॉलरशिप की राशि 1.75 लाख रुपये है. आदित्य बिड़ला समूह द्वारा इसके लिए अलग-अलग पैमाने तय किये गये हैं. ऐसे विद्यार्थी जिनके अभिभावक आदित्य बिड़ला कंपनी में कार्यरत हैं, उन्हें विशेष तौर पर वरीयता भी दी जायेगी.

यस बैंक फ्यूचर रेडी स्कॉलरशिप : यह स्कॉलरशिप उन्हीं विद्यार्थियों को मिलेगी जिन्हें देने की हरी झंडी यश बैंक द्वारा स्वयं दी जायेगी. इसकी राशि 2 लाख रुपये है. कितने विद्यार्थियों को दी जायेगी यह घोषणा भी बैंक द्वारा ही की जायेगी.

ओपी जिंदल इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट स्कॉलरशिप: यह स्कॉलरशिप संस्थान में पढ़ाई करने वाले सेकेंड इयर के टॉप 10 स्टूडेंट को मिलेगा. फर्स्ट इयर में हासिल अंकों के आधार पर मेरिट में टॉप 10 स्थान हासिल करने वाले प्रति विद्यार्थी 1.5 लाख रुपये दिये जायेंगे.

हिंदुस्तान यूनिलीवर/टी थॉमस स्कॉलरशिप: संस्थान के फर्स्ट इयर के कुल 25 फीसदी विद्यार्थियों को यह स्कॉलरशिप मिलेगा. कंपनी प्रबंधन द्वारा 1 लाख रुपये की स्कॉलरशिप दिया जायेगा.

कल्याण गांगुली एक्सइएफ स्कॉलरशिप इस स्कॉलरशिप का चयन मेरिट के साथ ही विद्यार्थियों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रख कर तय की जायेगी. ऐसे विद्यार्थी जिनका पारिवारिक बैकग्राउंड ठीक नहीं है, इस प्रकार के विद्यार्थियों को 1 लाख रुपये दिये जायेंगे. विद्यार्थियों की संख्या तय नहीं की गयी है.

एक्सएलआरआइ डायमंड जुबिली स्कॉलरशिप: इस स्कॉलरशिप का चयन मेरिट के साथ ही विद्यार्थियों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रख कर तय किया जायेगा. ऐसे विद्यार्थी जिनकी पारिवारिक बैकग्राउंड ठीक नहीं है, इस प्रकार के फर्स्ट इयर के विद्यार्थियों को पहले साल 2.55 लाख जबकि सेकेंड इयर में पढ़ाई करने के लिए 2.85 लाख रुपये का स्कॉलरशिप दिया जायेगा. कितने विद्यार्थियों को यह स्कॉलरशिप मिलेगा यह तय नहीं किया गया है.

एक्सएलआरआइ डायमंड जुबिली (सीनियर्स): इस स्कॉलरशिप का चयन मेरिट के साथ ही विद्यार्थियों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रख कर तय किया जायेगा. ऐसे विद्यार्थी जिनकी पारिवारिक बैकग्राउंड ठीक नहीं है, इस प्रकार के विद्यार्थियों को 2.85 लाख रुपये स्कॉलरशिप के रूप में दिया जायेगा.

गीता सक्सेना मेमोरियल: इस स्कॉलरशिप के लिए कोई मापदंड तय नहीं है. डोनर द्वारा अपने स्तर से विद्यार्थी का चयन किया जाता है. इस स्कॉलरशिप की राशि 20,000 रुपये होती है.

वसंत शंकरण स्कॉलरशिप: इस स्कॉलरशिप के लिए कोई तय मापदंड नहीं है. डोनर द्वारा अपने स्तर से विद्यार्थी का चयन किया जाता है. इस स्कॉलरशिप की राशि एक लाख रुपये होती है.

जोसेफ एम स्योरिटीनो: यह स्कॉलरशिप संस्थान में पढ़ाई करने वाले सिर्फ एसटी स्टूडेंट को ही मिलता है. इसके लिए कुल राशि 25,000 रुपये होगी.

नवीन जैन एंड डिस्टींग्विस्ड एल्यूमनी: इस स्कॉलरशिप का चयन मेरिट के साथ ही विद्यार्थियों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रख कर तय की जायेगी. ऐसे विद्यार्थी जिनकी पारिवारिक बैकग्राउंड ठीक नहीं है, इस प्रकार के विद्यार्थियों को 20,000 रुपये दिये जायेंगे. विद्यार्थियों की संख्या तय नहीं की गयी है.

एनटीपीसी स्कॉलरशिप: यह स्कॉलरशिप संस्थान में पढ़ाई करने वाले सिर्फ एससी, एसटी व दिव्यांग विद्यार्थियों को मिलेगा. फर्स्ट इयर के एकेडमिक परफॉर्मेंस के आधार पर एक साल तक प्रति माह 8000 रुपये दिया जायेगा.

पीएमआइ स्कॉलरशिप: यह स्कॉलरशिप संस्थान में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में सर्वश्रेष्ठ स्थान पाने वाले विद्यार्थी को दिया जायेगा. इसकी राशि 25,000 रुपये से लेकर 50,000 रुपये तक होगी.

एल्यूमिनाई स्कॉलरशिप: इस स्कॉलरशिप का चयन मेरिट के साथ ही विद्यार्थियों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रख कर तय किया जायेगा. इस प्रकार के विद्यार्थियों को 1.5 लाख रुपये दिये जायेंगे. विद्यार्थियों की संख्या तय नहीं की गयी है.

PUBLICATION: Prabhat Khabar

DATE: 22 July 2018

EDITION: Jamshedpur

PAGE: 19

एवरेस्ट बेस कैंप तक पहुंचे एक्सलर्स

- **17,600 फीट की ऊंचाई तक पहुंच कर शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन किया**

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

देश के करीब 100 भावी मैनेजरों ने एवरेस्ट के बेस कैंप तक पहुंचे. वहां उन्होंने करीब 17,600 फीट की ऊंचाई तक पहुंच कर ना सिर्फ अपनी शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन किया, बल्कि इस क्षेत्र में भी अपनी मैनेजेरियल स्किल का बखूबी प्रदर्शन किया. दरअसल, एक्सएलआरआइ द्वारा देश के अलग-अलग करीब दर्जन भर बिजनेस स्कूलों के विद्यार्थियों को लेकर हर साल एवरेस्ट समेत कई अन्य चोटी पर चढ़ाई के लिए ले जाया जाता है. इस वर्ष भी एक्सएलआरआइ की अगुआई में आइआइएम अहमदाबाद, आइआइएम बेंगलुरु, आइआइआइ कोलकाता, आइआइएम रांची, एसपी जैन, एक्सआइएमबी, एमडीआइ समेत देश के कई अन्य स्कूलों के विद्यार्थी एवरेस्ट के बेस कैंप तक पहुंचे. एक्सएलआरआइ की ओर से इस टीम में डीन एकेडमिक्स डॉ आशीष पाणि शामिल थे. उन्होंने संस्थान द्वारा इस तरह के प्रयोगों के पीछे जुड़ी जानकारी देते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों को टफ कंडीशन में किस प्रकार से अपने आप को ढाला जाये, इससे संबंधित व्यावहारिक ज्ञान मिलती है.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 24 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 17

मुंबई में आइएएससीसी लीडरशिप कॉन्क्लेव 10 से

जमशेदपुर. एक्सएलआरआइ व मुंबई की इंस्टीट्यूट फॉर द एडवांस्ड स्टडीज इन कॉम्प्लेक्स द्वारा संयुक्त रूप से 10 और 11 अगस्त को आइएएससीसी लीडरशिप कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है. इस कॉन्क्लेव में आज के दौर में आर्थिक विकास दर को अग्रसर रखने के लिए क्या-क्या पहल की जा सकती है पर विचार रखे जायेंगे. मुंबई में होने वाले इस कॉन्क्लेव में देश के अलग-अलग कोने से बिजनेस वर्ल्ड से जुड़े कई दिग्गज शामिल होंगे. इस दौरान मुख्य रूप से इस बात पर भी चर्चा होगी कि किसी भी राज्य या देश के विकास के लिए क्रेडिट कभी भी उसके विकास के लिए स्थायी समाधान नहीं हो सकते हैं. विकास के स्थायी समाधान के लिए किस प्रकार के आर्थिक सुधार हो सकते हैं, इस पर ब्लू प्रिंट तैयार किया जायेगा. अलग-अलग कुल 6 टॉपिक पर सभी अपने विचारों को रखेंगे. एक्सएलआरआइ के प्रोफेसर वी वेणुगोपाल ने कहा कि इस प्रकार के कॉन्क्लेव से कई नयी चीजें उभर कर सामने आयेगी. जिसके आधार पर सामूहिक रूप से किसी निचोड़ तक पहुंचा जा सकेगा. उक्त कॉन्क्लेव को दोनों संस्थानों द्वारा साझा प्रयास के तहत किया जा रहा है.

एक्सएलआरआइ

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 2 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

16 fellows of Young Leaders Programme to work on rural education

Jamshdpur, July 1: Tarapore School, in association with XLRI has instituted the Young Leaders Fellowship Programme for students of class X to XII of all schools in Jamshedpur.

On the 1st of July, the 16 fellows of the programme attended an orientation at Tarapore School. This was planned to give them an idea of what the next four months were going to entail. The morning began with the principal Amy H. Billimoria's address and a song that was sung by all participants as they passed the light of their candles signifying the spread of knowledge. The participants then received kits from the Chairman with a fellowship diary, t-shirts, pen drives and other things that would be required over the course of the programme.

The students were greeted by the Tarapore Schools Chairman, Bailey Bodhanwala, Fr. Nelson D'Silva- the Associate Dean of student affairs and administration, XLRI and Dr. Pingali Venugopal, Chairperson, International Relations. The gathering was addressed by the Chairman who spoke about the objectives of the programme which is to learn to share and help the underprivileged which would give them more satisfaction than any report card.

Fr. Nelson D'Silva spoke next who introduced the students to the four cardinal virtues and their relevance in their lives.

Thereafter vice-principal, Ishita Dey familiarized the students with the expectations of them as fellows and then announced the theme for the year - Rural Education. The students will now work on this theme for the next four months trying to identify an existing problem and implement a solution.

Debdoot Mohanty, Head CSR, Tata Steel addressed the students and introduced the students to the existing problems and efforts taken to overcome them.

The administrator, Tina Bodhanwala Sood then explained the structure of the programme which is based on the design thinking process and what the students would be doing over the course of four months.

At the end, the students of the SIGMA team of XLRI, who will be working closely with these students, planned an ice breaker event for the them to get to know each other.

The fellows include- Aditya Dhanraj from Loyola School, Aditya Shankar from Carmel Junior College, Adrija Mondal Tarapore School, Adrija Paul Carmel Junior College, Ashna Reyaz Sacred Heart Convent School, Akshit Kumar SDSM School for Excellence, Debarati Paul, Diya Chakravarty and GS Vishnu from Little Flower School, Himpriya from Gulmohar High School, Lekhani Raja JH Tarapore School, Neha Kumari Jusco School (south park), Priyanshu Shikha from Kerala Samajam Model School, Rupika Sinha Carmel Junior College, Shashank Dharmarajan DBMS English School and Vedika Chandra Gulmohar High School

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 2 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

Students of XLRI to impart computer lessons to needy children

Jamshedpur, July 1: Students of B-school XLRI have started the Basic Computer Learning Program(BCLP) for the less privileged students. Under the banner of SIGMA - Social Initiative Group for Managerial Assistance, a student run social initiative group at XLRI 40 students of ADL Society High School are taking lessons "In a world where life has almost become unimaginable without technology, this program serves to provide a foundation in computers to the budding young minds. Spread over ten weeks, the program would be combination of theoretical and practical lectures, covering a wide array of topics like computer hardware, MS Word, MS Excel, basic internet usage among several other topics apt to today's context. The first module covered the evolution of computers, application of computers, computer parts and their functions. The students also got a hands-on experience by using computers and visualizing what they learnt in theory. The session was made engaging by making it interactive and adding elements of fun," said a student of XLRI. Social Initiative Group for Managerial Assistance is student run social collaborative group at XLRI which run under the able guidance of Professor Madhukar Shukla. SIGMA focuses on transformation and change in the social sector by contributing to the community and impoverished sections of the society. This is done through a number of events across the year which are executed by a 10-member team dedicated to making positive contributions to the community

Its events include Blood and stem cell donation camps, Paper recycling and food wastage prevention drives, spreading legal literacy amongst village inhabitants across Jamshedpur, conducting Basic computer learning courses for under privileged children.

Apart from that, SIGMA also holds national and international reach as they execute research projects in association with national NGOs such as Goonj, helping Hearts and Seeds and international NGOs such as OIKOS to help impoverished communities become self-sustaining through sales enablement services and supply chain optimisation. SIGMA also ties up with corporate houses such as TATA Steel to hold case study competitions where the best minds from top tier B schools across the country come together to solve national problems such as water conservation and renewable energy.

SIGMA also works to cultivate and boorish the growing community of social entrepreneurship by providing a platform for information exchange, networking and discovery of rising figures in the field through events such as the Social Entrepreneurship Conclave and National Conclave for Social Entrepreneurship. Award winning entrepreneurs come and share their story and make it a melting pot of ideas and collaboration.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 5 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

Tata Steel organises Supplier Sustainability Expo

Jamshedpur, July 4: Tata Steel today organised the third edition of the "Suppliers Sustainability Expo" at Steelenium Hall wherein more than hundred suppliers were invited to showcase their sustainability initiatives and cross-learn from each other. Anand Sen President, TQM &Steel Business, Tata Steel graced the occasion as the Chief Guest. The event was also attended by other senior executives of Tata Steel and some select group of suppliers. Shubhenjit Chaudhuri, Managing Director, Tata Pigments and Raghuram Tata Associate Professor - Strategic Management Area, XLRI Jamshedpur were the special guests for the day and assessed the shortlisted suppliers for selecting the overall champion. Sanjiv Paul, Vice President, Safety, Health and Sustainability, Tata Steel shared his views on Climate Change risks to business, how sustainability in supply chains is becoming more and more important and how suppliers and customers need to collaborate to reduce Plastic Pollution.

Sen shared his thoughts on how more and more Tata Steel supplier partners should be a part of the sustainability journey. He also spoke about the acute water scarcity in the Jamshedpur area and in India and how it has an economic impact on the business front. Similarly, waste management (plastic is the tip of the iceberg) and GHG emissions are a serious concern for any business. Human beings need to take serious steps to curb climate change and waste management issues and how supply chains may get disrupted due to these issues calling for greater collaboration with supply chain partners for addressing these issues. Tata Steel had invited case studies from supplier partners in two categories (Established Practitioners and Emerging Practitioners) based on revenue across the upstream and downstream value chain. The case studies were in the sustainability aspects of - Safety, Environment Excellence and Social Excellence for the Established & Leading Practitioners and Sustainability Excellence (including Environment, Safety and Social Excellence) for the Emerging Practitioners. The assessment was done by a panel of assessors comprising of senior officers from Tata Steel through desk assessment followed by face-to-face presentations on 4th July, 2018. The top two suppliers in Established Practitioners category (all three aspects) were awarded by Sanjiv Paul. The top two suppliers in Emerging Practitioners category and overall Sustainability Champions were awarded by Anand Sen

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 23 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

Budding managers take leadership lessons at the Himalayas

Jamshedpur : Students of B-school Xavier School of Management, XLRI got an opportunity to learn the essential concepts of leadership in one of the outdoors most stunning yet demanding classrooms, the Himalayas. XLRI Adventure and Nature Club (known as XLANC on campus) in association with FunExpedia, conducted Everest base camp trek for the students and faculty of B-schools nationwide. More than 100 enthusiastic trekkers from reputed B schools such as IIM A, B, K, Ranchi, MDI, NITIE, NMIMS, SP Jain, XIMB, FMS and IMT participated in it. Prof AshisPani, Associate Dean Academics of XLRI Jamshedpur along with alums of IIM B and XLRI were also a part of this trek. Everest base camp trek is a 15-day expedition which involves trekking in the Himalayas at various altitudes such as Phakding (8700ft), Namche Bazaar (11280ft), Dingboche (14300ft), Lobuche (16207ft) and reaching the Everest base camp which is at an altitude of almost 17600ft. All the trekkers reached the end point of the trek making this event a grand success "The Everest base Camp Trek was an eye-opener. I am now confident that I can go for any other trek in the world. It is chal-

lenging but also provides you breath-taking views of the Himalayas," said Arnav Singh Bist of XLRI, Jamshedpur who was on his first trekking experience in the Himalayas.

"I am glad I came for this trek. It was physically demanding but because of group energy and motivation it made the seemingly difficult trek an enjoyable journey. The accommodations in Kathmandu and on the trail were lively and very comfortable. It was a post-grad trip with a difference and I highly recommend it to other enthusiasts." says VaishaliGambhir from IIM Ranchi. All B school students recognize and appreciate the essential qualities of leadership like strategic thinking, decisive action, personal integrity, etc. Yet they also realise that converting such abstract concepts into practice is often an elusive process. Indeed, few behavioural concepts defy translation into reality as much as those that involve leadership. Outdoor group activities like trekking, hiking and camping foster the necessary behavioural changes in participants to become better leaders. The XLRI Adventure and Nature Club (XLANC) is one of the most active clubs on campus. Its vision is to help students develop leadership skills and managerial acumen through outdoor activities. It provides the students with activities like Dalma trek, Everest base camp trek, rifle shooting, horse riding, laser tag and many more. All in all, it is the club which keeps the students sane and healthy to pursue excellence in every sphere; for a healthy body houses a healthy and productive mind.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 24 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

XLRI to host 'IASCC Leadership Conclave' in August

Jamshedpur, July 23 : Xavier School of Management(XLRI)has collaborated with Institute for Advanced Studies in Complex Choices to host the 'IASCC Leadership Conclave - Choices in a Growth-Constrained, Information-Age Economy' on August 10-11, 2018 in Mumbai.

The leadership conclave aims to be a platform for dialogue between research and practice. It would focus on building a shared perspective on issue of current interest and outline the agenda for future research in the area.

Prof. Anil K Sood, founder IASCC, mentioned, "The Conclave is the first step in realizing our vision of advancing the science and practice of making choices for both individuals and organisations. We plan to invest in building an eco-system of organisations and professions who share our purpose."

The conclave will focus on identifying the underlying causes that are limiting the short- as well as long-term growth potential. Growth is a function of investment by individuals, organisations and the government. It is these investment choices that determine earnings and consequently the consumption and investment levels in an economy. Credit can't solve the problem of growth. It can accelerate growth for some time and is not a substitute for earnings. In the long-run, individual earnings must go up to sustain growth. IASCC will present initial findings of their research at the Conclave.

Elaborating about the Conclave, Prof. P. Venugopal, XLRI said, "The purpose of the Conclave is to build a shared perspective on choice of strategy in a Growth-Constrained Information-Age Economy and outline the agenda for future research on choice of growth strategy. XLRI has collaborated with IASCC Leadership Conclave as the Knowledge Partner."

PUBLICATION: The Economic Times
DATE: 11 July 2018
EDITION: Mumbai
PAGE: 18

Turning a New Leaf

Financial services has long been institution-driven due to strict regulations, barring exceptions like Shriram Transport. But many former bankers have taken the plunge. Here's what Jaspal Bindra, Gunit Chadha, Bhupinder Singh and R Sridhar want to do.

On Evolutionary Path

Gunit Chadha | Founder, APAC Financial

Return of The Native

Jaspal Bindra | Chairman, Centrum Capital

In Footsteps of Kotak

Bhupinder Singh | CEO, InCred

The Desi Lender

R Sridhar | Vice Chairman, Indo Star

PUBLICATION: The Financial Express
DATE: 2 July 2018
EDITION: Kolkata
PAGE: 12

At XLRI, AICTE's *marg darshan* for aspiring institutes

FE BUREAU

LAST WEEK, XLRI-Xavier School of Management, Jamshedpur, organised a session with Prof Anil D Sahasrabudhe, chairman, AICTE, on the future of higher education. Addressing it, Prof Sahasrabudhe said, "Education should be output-based, not input-based...academic curriculum alone is not enough." He noted that managers should look beyond business and profit. "They should be imbibed with moral and ethical values...an ethics course should be compulsory," he said. He also highlighted upon AICTE's initiative Marg Darshan, or mentorship, wherein faculty from institutes struggling to achieve standards of excellence are invited to the cream institutes to observe their teaching policies and methodology, and implement the same in their institutes. "This practice of competition and collaboration can help in expanding the quality of education beyond the 100 best B-schools," he said.

PUBLICATION: The Hindu Business Line
DATE: 3 July, 2018
EDITION: Mumbai
PAGE: 2

Where have all the jobs gone?

In this concluding series on jobs, *BusinessLine* finds that while small units have been hit all over the country, there have been job creators as well in a rapidly changing economy. **Tina Edwin** reports

Nailing the problem Old industries are wilting away and new enterprises coming up in their wake

Beyond the hustle and bustle at the periphery, Chennai's Guindy Industrial Estate wears a deserted look. A 50-year-old woman selling *kanji* (porridge) and snacks inside the area says that her clientele has dropped to a third over the last five years. "I had thought of using my earnings to help my grandson enrol for engineering, but that does not seem possible," she says.

Job losses in small units seem to have shaken Tamil Nadu's small and medium units. Says CK Mohan, General Secretary, Tanstia (Tamil Nadu Small and Tiny Industries Association): "GST hit small players real bad. The procedures to follow are the same as that for a large corporate, which has the wherewithal to hire CAs." His point is underscored by KV Kanakambaram, President of the Industrial Estate Manufacturers Association in Guindy and the National Confederation of Small Industry. "We have shrunk in size and scale in the past five years," he says. His office in Guindy's RV Towers has many distaught visitors. "I have been fighting with bank officers for years now to keep my units going," says MV Madhu Sudhana, who runs Cosy Industries, a small unit in the Guindy Industrial Estate.

Jobs lost

Entrepreneurs say that a cocktail of GST, demonetisation and stringent bank norms has hurt jobs in MSMEs. Says Madhu Sudhana: "Earlier, a field officer would visit factories that have failed to pay back their loans and assess the situation. But now in the automated system, even if there is a delay of one day or a week in payment, the loan becomes an NPA and the unit is paralysed and eventually will be folded up. We don't need machines or computers to judge us, but humans," he says.

"Even the State government's own estimates show that close to 50,000 micro, small and medium enterprises (MSMEs) have shut shop in Tamil Nadu last year alone," Kanakambaram tells *BusinessLine*.

The impact of the shocks of the last two years is visible even in the Capital. In Mayapuri, an industrial area in west Delhi, that has over 1,000 units and provides employment to an estimated five lakh people, one finds only a rare notice on the factory gate seeking workers. "Walk-in hirings have declined," says Neeraj Sehgal, who runs a unit that makes bullet-proof doors that are in much demand with politicians. Sehgal is also the general secretary of Mayapuri Industrial Welfare Association as well as Joint Secretary of the Delhi unit of Laghu Udyog Bharati.

Labour supply

It is another matter that this situation co-exists with one of a quixotic shortage of certain types of workers, such as welders, helpers and fitters — a point made by both Sehgal and M Reddy, President, Peenya Industries Association, Bengaluru.

The flatted factories of Okhla, about 25 km apart from Mayapuri, produce a specific part or a component for a larger product or machinery such as public-address systems and submersible pumps. The skills required for those operations are basic — something that can be learnt almost in a day. Finding workers for the shop-floor is not difficult, but employment level in those units has stagnated. Getting people such as accountants, computer operators and office assistants is not so easy, says Charanjeet Singh, CEO of Inter-Tech, a unit that makes electrical products. "Those who join leave with a year — mostly because we cannot provide an ambience that they would want to work in," adds Singh.

Mohan Gurnani, Chairman, Chamber of Associations of Maharashtra Industry and Trade, explains that, faced with liquidity problems, many businesses had to scale down their operations or even shut down.

Sehgal says: "MGNREGA should have encouraged people to stay back in the rural areas but with government delaying payments, flow of labour to industrial areas has grown. That's one reason that industry does not complain of labour shortages, particularly of the unskilled workers."

Be that as it may, those who have made 'jobs' the staple of political debate and chosen to slam the Centre for job losses should note that the situation is too complex to submit itself to easy generalisations. The situation rather is one of old industries wilting away and new enterprises coming up in their wake. Their net impact on jobs is rather hard to ascertain. That's because no one in the government or private sector reliably collects employment data.

Restructured economy

KR Shyam Sundar, Professor, XLRI, Jamshedpur, says: "Anganwadi, construction and e-commerce are emerging areas. The issue is not jobs being created but the terms and conditions of work." Gurnani, however, feels that industrial jobs lost are more than those created by e-commerce.

Hence, a visible change in Delhi's industrial zones is the emergence of non-manufacturing businesses. Factories have given way to swanky showrooms for automobile companies and fancy banquet halls, particularly along major roads. Inside the industrial zones, some factories have been replaced with workshops of automobile companies. Manufacturing is gradually ceding ground to service industry in the Capital. "There are some 90 booming sectors for employment in the country," says Gayathri Vasudevan, CEO of Bengaluru-based LabourNet Services India Ltd, an organisation focused on enabling sustainable livelihood. Among them are what she describes as service technical jobs, which is different from the pure services jobs.

Such jobs include repair and refurbishment services, decorative painting, beauty services, tailoring, and are all consumption-led or due to changes in lifestyles and rising aspirations. Higher ownership of automobiles and growing mechanisation of farms are creating demand for people who can repair vehicles, machinery and equipment. Other sectors that are booming and are therefore creating jobs include food business and hospitality, rise in leisure and holiday travel.

For Bengaluru-based Muniappa, in his late 20s, who finished his graduation in Commerce, getting a job was becoming very difficult. "I did not pursue any specialisation and did not score high marks. But since I knew to ride a two-wheeler I found a job with Swiggy."

In Delhi, the introduction of e-rickshaws and their proliferation have given rise to many new entrepreneurs — an e-rickshaw costs ₹80,000-1 lakh. The running costs are low — ₹150 for charging the battery commercially is the only recurring cost. Several men have left their factory or small-time jobs to buy and drive e-rickshaw. Some have bought and given it out on rent to a driver.

Most banquet halls are busy for about 90 days — mostly the wedding seasons. People who work as cleaners and peons in factories often take work in the evenings at these banquet halls as cleaners and servers.

Infrastructure creation, proliferation of mobile phones, satellite television, air-conditioners and water filters have spawned a range of jobs. Many of these jobs would be in the informal sector as large companies tend to use small contractors for work such as installation. A lot of after-sales service is done by technicians who are part of the informal sector, instead of authorised service centres. There is no current data on the number of such informal workers. The last such estimate came from the 2011-12 survey of the NSSO and the economy has seen significant changes since then.

Amidst this uncertain working environment, a job in the formal sector remains the ultimate dream. The impact of GST on formalisation of business units has translated into larger EPFO enrolments, but a larger eco-system change will take time to set in. Hence, it does not come as a surprise that over 28 million people applied for 90,000 vacancies that the Indian Railways advertised for (in March).

Gurnani says that while a pick-up in businesses is not very visible, he is optimistic that the situation will improve in the next few months, as he expects the government to announce more measures to help growth.

With inputs from Jinoy Jose P, Venkatesh Ganesh and A Srinivas

The job creation riddle

There is no authoritative set of data for the total number of people employed in the country, which is also current. Private sector business information company CMIE, which carries out Consumer Pyramids Household Survey, estimates that only 14.3 lakh jobs were created in 2017 across different age groups

CMIE estimates

Number of jobs in India, lakhs

Age group	2016	2017	Jobs added
15-24	531.4	459.2	-72.2
15-64	3,350.1	3,468.4	118.3
>=65	153.3	121.6	-31.7
Total	4,034.8	4,049.1	14.3

This is the only estimate that is holistic and recent that we have. Official estimates based on NSSO data are to be released only in a few months

The Labour Bureau, which is part of the Ministry of Labour and Employment, has been bringing out quarterly reports on the employment situation in eight sectors of the economy. But it tracks units that employ 10 or more workers. Such units account for just 1.4% of the businesses in the country and 15% of the total employment.

Employment in the eight sectors tracked by Labour Bureau

Figs in lakhs

Sector	As of Jan 1, 2017	Additions till Oct 1, 2017
Manufacturing	102.12	1.04
Construction	3.42	-0.1
Trade	14.71	0.5
Transport	5.98	0.2
Accommodation & Restaurant	7.67	0.1
IT/ BPO	10.58	0.16
Education	50.65	1.22
Health	12.4	0.73
Total	**207.53**	**3.85**

More recently, the government started releasing Employee Provident Fund Organisation data and some have used it as a proxy for job creation. But it covers only the formal sector and that too enterprises that employ 20 or more people.

- **34.4 lakh** subscribers added between Sept 2017 & March 2018
- Of this, **22.94 lakh** subscribers were below 25 years of age

However, increase in EPFO subscribers is not an accurate indicator of an increase in number of jobs. There are multiple reasons for that but chiefly: (i) Many people change jobs and start a new EPF account but the old ones are not closed, and (ii) Many units register with EPFO only after their employee number rises to 20, so incremental jobs added by that unit may be just 1-2 at point of registering.

Compiled by **Tina Edwin**

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 2 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 11

16 young agents of change

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: As a part of the Young Leaders Fellowship Programme, a joint initiative of XLRI and Tarapore School, Agrico, 16 students from 11 cradles will visit rural areas to understand problems faced by villagers and come up with tangible solutions.

On Sunday, students from Classes X, XI and XII attended an orientation at Tarapore School where XLRI faculty members — P. Venugopal, Father Nelson D'Silva and Tata Steel head CSR Debdoot Mohanty — addressed the gathering.

"We didn't choose students for the four-month programme based on their academic records. We chose them for their passion and eagerness to bring about change," said school principal Amy H. Billimoria.

In all, 135 students from 22 schools had applied for the fellowship. This year the theme is 'rural education'. Next year, the organising school will select the theme. The participants received kits such as diaries, T-shirts and pen drives.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 3 July, 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 9

TEAM SIGMA LAUNCHES COMPUTER CLASSES FOR 40 UNDERPRIVILEGED KIDS

Logging in to Sunday fun day with XLRI

TECH TOUCH: Students of ADLS High School at the XLRI computer class in Jamshedpur on Sunday. Telegraph picture

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: To teach is to touch a life forever. Students of XLRI are touching many.

Social Initiative Group for Managerial Assistance or SIGMA, a campaign run by the B-school students to catalyse growth among individuals, has launched its basic computer learning programme (BCLP) for underprivileged children of ADLS High School in Kadma this year.

Around 40 students of Class VIII who never had access to computers or have its basic understanding are participating in the 10-week course, which is into its tenth edition.

The first classes were held by first-year management students on Sunday on the XLRI campus in CH Area. The children of ADLS will have to visit XLRI for nine more Sundays.

"Technology has become an important part of our lives. Our programme will provide a foundation to those who want to learn more about computers in the future," said Utkarsh Aren, a SIGMA member.

The programme offers a combination of theoretical and practical classes, covering a wide array of topics like computer hardware, MS Office (Word and Excel) and basic Internet use.

The first module covered the evolution of computers, their applications, computer parts and their functions. The ADLS boys and girls received a hands-on experience in using desktops too. The sessions are made engaging through interaction and fun. For added motivation, the participants will also receive certificates from SIGMA.

The XLRI initiative was founded in 2002 to work towards social causes in and around Jamshedpur. The 10-member team often works in collaboration with nonprofits to make lives better. Among other programmes, SIGMA organises blood and stem cell donation camps, paper recycling campaigns and legal literacy drives.

Eighth grader Aman Kumar, one of the beneficiaries, said since he knew how to handle smartphones, he found the lessons engaging. "I feel privileged for being chosen for the course. It is fun learning with the bhaiyas and didis who explain things very well. The certificate I will receive here will be a trophy possession,"the 13-year-old said.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 4 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 10

Job fear strike

JAMSHEDPUR: Around 86 outsourced staff of XLRI went on a strike on Tuesday fearing that they would lose their jobs following a change of their agency. The XLRI management, however, assured that all the labourers would be absorbed by the new agency.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 5 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 10

Labour stir over

JAMSHEDPUR: All the 86 contract labourers of XLRI on Wednesday called off their agitation after the management. stepped in. The labourers have agreed to work under the New Delhi-based agency with some minor changes in their working condition.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 6 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

XLRI STUDENTS GET TO KNOW ABOUT RISKS & CHALLENGES

A biz date with social entrepreneurs

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: It happens all the time — a promising social enterprise attracts funding for its early stages but can't graduate when it's ready to scale.

On Thursday, XLRI students had a date with a couple of grassroots-level social entrepreneurs who lived through challenges and came out with flying colours.

The two — Malavika Sharma, owner of Avika Online in Ranchi and Virendra Kumar, owner of Maati Ghar in Jamshedpur — shared their real life experiences with the students with the aim to give them a fair idea about social entrepreneurship.

Virendra, the owner of Maati Ghar which promotes tribal paintings of Jharkhand, talked about his journey and challenges.

"The three major challenges for me were family, finance and legal formalities. It takes a lot of pain and struggle. I wanted to do it because there was an emotional connection towards art. If I wasn't there, the art would be dying. It deserves a good market," said Virendra who holds a BTech degree in industrial engineering from NIT Kurukshetra.

Malavika said she was an accidental social entrepreneur who created the brand Avika Online. "I trusted government schemes which weren't effective. So, my suggestion is to manage and know your finance well before taking a leap," she added.

INSPIRING: Virendra Kumar at XLRI in Jamshedpur on Thursday. Picture by Bhola Prasad

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 25 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 10

PLATES OF KHICHDI DISTRIBUTED AMONG POOR IN BARIDIH

XLRI treat for steel city homeless

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: On a sunny Tuesday morning, a group of XLRI students managed to bring smiles on the faces of many homeless children across the steel city.

Eight XLRI students under SIGMA (Social Initiative Group for Managerial Assistance) along with social outfit Helping Hearts Foundation prepared *khichdi* and distributed it among 150 homeless people near Mercy Hospital in Baridih.

The philanthropic initiative was a curtain-raiser to XLRI's Joy of Giving Week or Daan Utsav that will kick off on October 2.

FOOD ON WHEELS: Students pose in front of the van that was flagged off by professor Madhukar Shukla at XLRI in Jamshedpur on Tuesday. Picture by Bhola Prasad

Madhukar Shukla, senior faculty member of XLRI and chairperson of Fr Arrupe Centre for Ecology & Sustainability (FACES), also flagged off a van that has been donated to the volunteers of Helping Hearts Foundation to ferry food for the homeless across the city.

The students accompanied by founder of Helping Hearts Foundation Ashok Ghosh distributed the food, made inside XLRI kitchen, in disposable plates and spoons from 2pm to 3pm.

"It was exciting to join hands with Helping Hearts Foundation that works tirelessly for the poor. On other days, they generally distribute leftover food from restaurants or XLRI kitchen. Today it was different and we got great pleasure in bringing smiles on the faces of homeless people. The time we plan to celebrate Daan Utsav in a grand way as we will be completing 10 years," said Himanshi Gaba, a second-year human resource management student and member of SIGMA.

XLRI has been spearheading Daan Utsav for a decade and has joined hands with several NGOs in villages and urban slums across Jamshedpur. From donating books, clothes to food grains, several philanthropic initiatives are undertaken by them during Daan Utsav.

For the last nine years Helping Hearts Foundation has been collecting food from 18 restaurants to feed thousands of homeless people daily. "We cater to 2,500 people daily but that's not enough and our target is 5,000. XLRI has always stood by us and today was really a special initiative," said founder Ashok Ghosh.

PUBLICATION: The Times of India
DATE: 4 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

XLRI contract workers protest against mgmnt

B Sridhar | TNN

Partha Chakraborty

XLRI workers protest outside the campus in Jamshedpur on Tuesday

Jamshedpur: Contractual workers of XLRI-Xavier School of Management staged a protest against the a decision of the authorities to hire a new agency for house-keeping.

Close to 50 grade-IV workers of the noted business school organised a sit-in outside the campus gate to protest the appointment of a a New Delhi-based company for housekeeping.

The employees said earlier 146 employees worked in the college but after a recent restructuring, 60 were sacked. "The remaining 86 employees are working at a modest salary," said a worker apprehending the new employer could pay even less than what they are earning now.

"In the present structure we are paid for 30 working days but the new agency will only pay for 26 working days," another worker who joined the protest claimed.

The workers feel that the step to hire the agency will kill their jobs. The agitators also said they will not let the management to take the step and will continue to protest till the decision is rolled back.

When approached, XLRI said keeping the interests of all the 86 contractual labourers in mind, the management will ensure that the new contractor absorbs all of them.

"The contract labourers have shown unwarranted resistance and preferred ways and means including a striking out, which XLRI management believes is a desperate act of innocent workers who are misled by unknown forces," the statement read.

एक्सएलआरआई सिग्मा ने शुरू किया बीसीएलपी प्रोग्राम

जमशेदपुर : एक्सएलआरआई के विद्यार्थियों द्वारा संचालित सोशल इनिशियेटिव ग्रुप सिग्मा की ओर से स्कूली बच्चों के लिए बेसिक कम्प्यूटर लर्निंग प्रोग्राम (बीसीएलपी) की शुरूआत की गई. एडीएल सोसायटी हाई स्कूल के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में कक्षा 8 के करीब 40 विद्यार्थी शामिल हुए. इस कार्यक्रम का मकसद छोटे बच्चों को कम्प्यूटर का प्रारंभिक जानकारी उपलब्ध कराना था.

PUBLICATION: Udit Vani
DATE: 22 July 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

एक्सएलआरआई ने बी स्कूलों के लिए आयोजित किया हिमालय ट्रेक

जमशेदपुर : एक्सएलआरआई के एडवेंचर व नेचर क्लब (एक्सलैंक) की ओर से फन अक्सपीडिया के सहयोग से हर साल बी स्कूल के विद्यार्थियों व शिक्षकों के लिए एवरेस्ट बेस कैम्प ट्रेक का आयोजन किया जाता है. इस क्रम में इस साल इसका आयोजन मार्च के पहले सप्ताह से जून के पहले सप्ताह तक किया गया. इसमें कुछ प्रतिष्ठित बी स्कूलों आईआईएम अहमदाबाद, बेंगलुरू व कोलकाता के अलावा रांची के साथ ही एमडीआई, एनआईटीआईई, एनएमआईएमएस, एसपी जैन, एक्सआईएमबी, एफएमएस व आईएमटी के 14 बैच ने हिस्सा लिया. इसमें करीब 100 ट्रेकर्स शामिल हुए. ट्रेकिंग के आयोजन में एक्सएलआरआई के एसोसिएट डीन प्रो. आशिष पानी के साथ ही एक्सएलआरआई व आईआईएम बी के अल्यूमनाइज ने सहयोग किया. 15 दिनों के इस बेस कैम्प के दौरान ट्रेकर्स ने फकडिंग (8700 फुट), नामचे बाजार (11280 फुट), डिंगबोचे (14300 फुट), लोबुचे (16207 फुट) के साथ ही एवरेस्ट बेस कैम्प करीब 17600 फुट की ऊंचाई को छुआ. एवरेस्ट बेस कैम्प ट्रेकिंग पर पहली बार गये एक्सएलआरआई के छात्र अर्णव सिंह ने कहा कि यह ट्रेक अभियान आई ओपनर था और इससे उनके आत्मविश्वास में काफी बढ़ोतरी हुई है और वे विश्व के किसी भी दूसरे ट्रेक पर आसानी से जा सकते हैं.